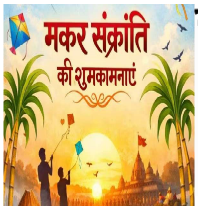

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 175 गुरूवार 15 जनवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

मंत्री ओमप्रकाश राजभर बोले बांटेंगे बिना लाइसेंस वाले हथियार

लखनऊ (आभा)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख और यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के एक बयान ने यूपी की सियासत में सनसनी फैला दी है। अपने बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहने वाले ओमप्रकाश राजभर ने कहा है कि वह बिना लाइसेंस के हथियार बांटेंगे। उन्होंने बाकायदा इसकी तारीख और जगह भी बताई है। मंत्री ने कहा है कि जिसे भी बिना लाइसेंस के हथियार चाहिए वो 18 जनवरी को आजमगढ़ आकर उनसे ले सकता है।

ओमप्रकाश राजभर लखनऊ में आयोजित निषाद पार्टी के 'संकल्प दिवस कार्यक्रम' में बोल रहे थे। उनके बयान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के 13वें स्थापना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष और मंत्री डॉ.संजय निषाद ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की बढ़ती ताकत का आभास कराने का प्रयास किया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। डॉ.संजय निषाद ने कहा कि उन्होंने 13 जनवरी 2013 को महाराजा गुह्नराज निषाद के किले श्रृंगवेरधाम में मछुआ समाज का शोषण करने वाले दलों के अंत का संकल्प लिया था। क्योंकि मछुआ समाज किसी का वोट बैंक नहीं है। यह समाज केवल नदी और ताल में मछली ही मारना नहीं जानता। बल्कि सरकार बनाना और गिराना भी जानता है।

राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में डा.निषाद ने कहा कि मछुआ समाज चाहता है कि बहन वीरांगना फूलन देवी और लौहपुरुष स्व. जमुना निषाद की हत्या की सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को पावर की जरूरत है और यह समझना होगा की पावर के लिए उन्हें निषाद पार्टी का साथ देना होगा। समारोह को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी संबोधित किया।

जांच कमेटी के सामने पेश हुए जस्टिस वर्मा, कहा पुलिस नाकाम, तो हम पर महाभियोग क्यों?

नई दिल्ली (आभा)। अपने खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया का सामना कर रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद आखिरकार संसदीय जांच समिति के सामने पेश हुए। इस दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर जब आग लगी थी, तब वह अपने घर पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने ये भी दावा किया कि वहां से कोई कैश बरामद नहीं हुआ। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित जांच समिति के सामने उन्होंने अपना जोरदार बचाव किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस वर्मा ने जांच कमेटी से कहा कि जब घटना हुई तब वह पहले व्यक्ति नहीं थे जो मौके पर पहुंचे थे। इसलिए उन्हें पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की कथित लापरवाहियों के लिए जम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक, जस्टिस वर्मा ने कहा, 'अगर पुलिस अधिकारी उनके आवास को सुरक्षित रखने में नाकाम रहे तो उसका खामियाजा हम क्यों भुगतें और हमारे खिलाफ क्यों महाभियोग लाया जाना चाहिए?' जस्टिस वर्मा ने कहा, "वहां मौजूद पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी जरूरत के हिसाब से कार्रवाई करने में नाकाम रहे।"

संसदीय समिति के समक्ष अपनी बात को रखते हुए जस्टिस वर्मा ने आगे कहा कि शुरू में, घटना के समय कोई रिकवरी नहीं हुई थी, और मौके पर कैश मिलने के दावे बाद में सामने आए। उन्होंने कहा, 'अगर मैं मौके पर मौजूद नहीं था और पहला रिस्पॉन्डर नहीं था, तो मुझे इसे सुरक्षित न करने के लिए जिम्मेदार कैसे ठहराया जा सकता है... वह जगह वहां मौजूद लोगों के कंट्रोल में थी।' दरअसल, पिछले साल सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित आंतरिक समिति ने यह निष्कर्ष निकाला था कि जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस कमरे पर एक्टिव कंट्रोल था, जहां कैश मिला था।

बता दें कि पिछले साल मार्च में, दिल्ली में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लग गई थी। जब अग्निशमन दस्ता के लोग आग बुझाने पहुंचे तो पाया कि जिस स्टोर रूम में आग लगी था, वहां अधजले कैश के ढेर पड़े हैं, जिनमें से कुछ 1.5 फीट से ज्यादा ऊंचे थे। तब के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस घटना का संज्ञान लिया था और जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया था।

अगस्त 2025 में, लोकसभा स्पीकर ने जज के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यों का एक पैनल बनाया है, जिसके सामने पेश होकर उन्होंने ये बातें रखी हैं। जस्टिस वर्मा ने हाल ही में महाभियोग प्रक्रिया के दौरान लोकसभा स्पीकर द्वारा जांच समिति के गठन को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जहां उन्हें संसदीय समिति के सामने पेश होने से राहत नहीं मिल पाई थी।

एक नजर

महिला पॉलिटेक्निक में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजकीय महिला पॉलिटेक्निक बस्ती में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए नवीन प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक छात्राएं विभिन्न इंजीनियरिंग और डिजाइनिंग पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

संस्थान में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और अपैरल फैशन डिजाइनिंग एंड टेक्नोलॉजी जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया 15 जनवरी से शुरू होकर 30 अप्रैल 2026 तक चलेगी।

किसी भी जानकारी के लिए छात्राएं राजकीय महिला पॉलिटेक्निक बस्ती के संपर्क सूत्र 9554465640 और 9266332119 पर संपर्क कर सकती हैं। प्रधानाचार्य मुलायम सिंह यादव ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन 15 जनवरी से 30 अप्रैल तक स्वीकार किए जाएंगे।

सिद्ध संत चीनी बाबा का निधन

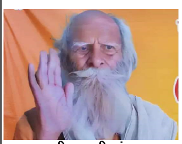

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया नगर पंचायत स्थित प्राचीन माता मंदिर के महंत सिद्ध संत चीनी बाबा का मंगलवार को निधन हो गया। लगभग छह दशकों तक मंदिर की सेवा करने वाले बाबा के देहावसान की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम दर्शन के लिए मंदिर परिसर में अनुयायियों और श्रद्धालुओं का तांता लग गया।

बुधवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में बाबा के पार्थिव शरीर की पूरे नगर में शोभायात्रा निकाली गई। नगरवासियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। माता मंदिर परिसर में ही रातोंरात बाबा की समाधि का निर्माण किया गया है, जहां विधि–विधान के साथ उन्हें समाधि दी गई। चीनी बाबा ने करीब 100 वर्ष की आयु तक सादगी, सेवा और तपस्या का जीवन जिया। वे प्रतिदिन रिक्शा से बाजार जाकर स्वयं भंडारे की सामग्री लाते थे। प्रत्येक मंगलवार को मंदिर में विशेष भंडारे का आयोजन होता था, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता करते थे।

उद्योग बंधु की बैठक 20 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु एवं व्यापार बन्धु समिति की बैठक आगामी 20 जनवरी को मध्यान्ह 12.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जायेंगा। उक्त जानकारी उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने दी है।

वन अग्नि नियंत्रण कक्ष स्थापित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रभागीय कार्यालय बस्ती में एक वन अग्नि नियंत्रण कक्ष की स्थापना तत्कालीक प्रभाव से की गयी है। उक्त जानकारी प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग डा. शिरीन ने दी है। उन्होने बताया कि वन अग्नि नियंत्रण कक्ष 24 घण्टे कार्यरत रहेंगा। वन अग्नि नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंम्बर–9454085996 है। वन अग्नि नियंत्रण कक्ष में सर्वेयर शक्ति मिश्रा, माली/चौकीदार राम ललित व रामचन्द्र की ड्यिूटी प्रति 08 घण्टे के अनुसार लगायी गयी है।

महिला आरक्षी ने जीता दूसरा स्वर्ण पदक: एसपी ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस लाइन बस्ती में तैनात महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी ने अपनी असाधारण प्रतिभा, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर राष्ट्रीय स्तर की पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिताओं में लगातार दो स्वर्ण पदक जीतकर बस्ती पुलिस का नाम रोशन किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने शीतल चतुर्वेदी की सफलता पर उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि यह जीत उनके अनुशासन व खेल के प्रति जुनून का प्रतीक है।

2019 बैच की महिला पुलिस कर्मी शीतल चतुर्वेदी लखीमपुर खीरी जनपद की निवासिनी हैं, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी ने असम में आयोजित नौवीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2024–25 में पहला स्वर्ण पदक जीता था। 45 किलोग्राम भारवर्ग में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया था। इसके बाद 10वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2025–26 में, जो आठ से 16 स्वर्ण पदक के साथ बस्ती की महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी अक्टूबर 2025 तक शेर–ए–कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित की गई थी, उसमें उन्होंने आंध्र प्रदेश की खिलाड़ी कल्पना कुमारी को हराकर 45 किग्रा भारवर्ग में फिर स्वर्ण पदक प्रप्त किया।

उनकी जीत पर पुलिस अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत उनके अनुशासन व खेल के प्रति जुनून का प्रतीक है।

गोरखपुर जोन के प्रभारी उपनिरीक्षक कोलाहल यादव का के साथ ही अनेक पुलिस कर्मियों ने महिला आरक्षी शीतल चतुर्वेदी की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त किया है।

बैनामे वाली जमीन पर अवैध निर्माण रोकने की मांग: डीएम को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी तहसील क्षेत्र के घोसियारी निवासी शिवकुमार पुत्र गौरी ने जिलाधिकारी को पत्र देकर अपने बस्ती जनपद के भानपुर तहसील क्षेत्र के उकड़ा की बैनामाशुदा जमीन पर अवैध निर्माण रोकने की मांग किया है।

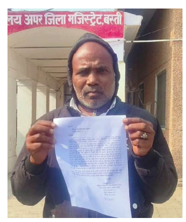

पत्र में शिवकुमार ने कहा है कि उसने रामतौल पुत्र रामदेव से गाटा सं0 423क रक्बा 0.033हे0 में से 11 एअर बैनामा लिया है। इस भूमि पर सीमा सिंह के पति सुजीत कुमार सिंह पुत्र ईनल सिंह द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे रोकवाया जाय।

डीएम को दिये पत्र में शिवकुमार ने कहा है कि उसके बैनामे की जमीन के उत्तर तरफ सीमा सिंह पत्नी सुजीत कुमार सिंह व दक्षिण तरफ सूरसती का मकान है सीमा सिंह व सूरसती अपने पूरे जमीन पर मकान बनाकर काबिज है। उनकी भूमि पर अभी कोई निर्माण नहीं किया गया है। उनके बैनामे की भूमि पर सीमा सिंह के पति सुजीत कुमार सिंह पुत्र ईनल सिंह द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। वह अपने जमीन की नाप जोख कराना चाह रहा था, किन्तु उप जिलाधिकारी द्वारा नाप जोख कराने से मना कर दिया गया है। ऐसी सूरत में उसने डीएम से मांग किया है कि उसकी और सीमा सिंह व सूरसती देवी के बैनामे के हिसाब से कब्जे की रिपोर्ट राजस्व निरीक्षक व लेखपाल से मंगाकर मौके की स्थिति स्पष्ट कराकर उनके बैनामे की भूमि से अवैध निर्माण रोकवाय जाय।

विकास भवन में विधि विधान से पूजा के साथ खिचड़ी सहभोज का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में बुधवार को विकास भवन कर्मचारी संघ द्वारा विकास भवन में खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने विधि विधान से पूजा के बाद सहभोज का आरम्भ किया। इसके पूर्व उन्होने कहा कि मकर संक्रान्ति का पर्व कड़ाके की ठंड में उल्लास लेकर आता है। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रसाद भारती ने मकर संक्रान्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह, उपायुक्त श्रम संजय शर्मा, पी.डी. डीआरडीए राजेश कुमार, डीपीआरओ घनश्याम सागर, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, सांसद प्रतिनिधि गुलाब सोनकर, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों ने खिचड़ी सहभोज में हिस्सा लिया।

विकास भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राम अधार पाल ने खिचड़ी सहभोज में आये अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों का स्वागत करते हुये कहा कि मकर संक्रान्ति का पर्व

–उल्लास का पर्व है मकर संक्रान्ति- सार्थक अग्रवाल

हमारे जीवन में कड़ाके की ठंड के बाद नव उल्लास और बसन्त की आहट लेकर आता है।

खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख आसमान सिंह, सन्तोष पाल, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, मंत्री तौलू प्रसाद, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक मिश्र, मंत्री आशीष कुमार, कोषागार से अखिलेश पाठक, आलोक श्रीवास्तव, प्राथमिक शिक्षक संघ से दुर्गेश यादव, प्रवीन श्रीवास्तव, शिव प्रताप सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर महा संघ से ई. अभिषेक सिंह, अजय आर्य, मनसाराम , कृषि विभाग से सचिन पाण्डेय, अभिषेक, ग्राम्य विकास अमरनाथ गौतम, सेवा निवृत्त एसोसिएशन से नरेन्द्र उपाध्याय, उदय पाल, बद्री प्रसाद चौधरी, लालचंद वर्मा, गौरीशंकर, सिंचाई विभाग से सुभाष मिश्र, आईटीआई से हरिशंकर, राजस्व विभाग से अशोक तिवारी, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश, मुकेश सोनकर, रामलाल, दीपमणि शुक्ल, मनोज कुमार, अजय प्रताप पाण्डेय, गोवर्धन उपाध्याय, अर्जुन उपाध्याय, शनि शुक्ल, विजय श्रीवास्तव, राम स्वारथ चौधरी, अशोक सिंह, राजेश कुमार, वीरेन्द्र प्रताप, धीरेन्द्र यादव, राजेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह, आशुतोष कुमार के साथ ही अनेक विभागों के कर्मचारी, शिक्षक संघ के पदाधिकारी, अनेक सामाजिक संगठनों के लोग और पत्रकार शामिल रहे।

आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एकता को सबल बनाता है मकर संक्रांति का पर्व

–रघुवंशपुरी शिव मंदिर पर आरएसएस ने उल्लास से मनाया मकर संक्रांति का उत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को कैली अस्पताल के निकट स्थित रघुवंशपुरी शिव मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मकर संक्रांति पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सिद्धार्थ इंडस्ट्रीज के चेयरपर्सन अवधेश मिश्रा ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व बहुत ही पावन पर्व है पूर्वजों ने आज के दिन इस पर्व का बड़ा महत्व बताया है बड़ी संख्या में लोग गंगा और सरजू जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद भी अन्नदान की परंपरा का निर्वहन करते हैं ।

मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक ऋषि ने कहा कि मकर संक्रांति का उत्सव विश्व के 16 देशों में मनाया जाता है उन्होंने कहा कि मातृशक्ति कहीं ना कहीं हमारी सारी परंपराओं को जीवंत रखने का काम करती है । हमारे देवी देवताओं गांव के डीह बाबा जो आज हमारी जानकारी में है उनको जीवंत रखने के काम मातृशक्ति ने ही किया है। मकर संक्रांति के उत्सव पर संपूर्ण हिंदू समाज कहीं न कहीं पवित्र नदियों में स्नान कर अपने मोक्ष की प्राप्ति करता है और मकर संक्रांति पर दान की भी व्यवस्था है और हिंदू समाज इस परंपरा का निर्वहन करता है ।

कहा कि हमारे रीति रिवाज हमारी परंपराएं अगर आज बची है तो उसका पूरा श्रेय मातृशक्ति को जाता है। मां जीवन में प्रथम गुरु के रूप में मानी जाती है यह सर्व समाज का उत्सव है हम सब हिंदू हैं इसलिए हम किसी भी पर्व को मनाने के लिए किसी से पूछना नहीं हैं क्योंकि हम हिन्दू है हम सब एक है 16 संस्कारों से युक्त यह हिंदू जीवन है ।

उन्होंने कहा कि पहले संस्कार जन्म के समय नार विच्छेद दूसरा संस्कार विवाह है जिसमें सभी जातियों की अवश्यकता होती है जिसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व पूर्वजों ने रखा है और अंत में अंतिम संस्कार के समय में भी पूर्वजों ने सभी वर्ग को जोड़कर इसलिए बनाया कि हिन्दू समाज हमेशा एकजुट रहे और सर्व जाति के लोग एक साथ मिलकर हिन्दू समाज का निर्माण करें । उन्होंने कहा कि जैसे खिचड़ी बनाते समय हम दाल चावल सब्जी और मसाले का उपयोग करते है तब स्वादिष्ट और पौष्टिक खिचड़ी बनती है उसी प्रकार जब सभी जातीय एक साथ मिलकर जब रहेंगी तब एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिद्धार्थ बजाज के सिद्धार्थ शंकर मिश्रा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह आशीष जिला प्रचारक सर्वेंद्र नगर कार्यवाह आशीष, गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, धर्मेंद्र तिवारी श्रद्धेय पाल अमरेश पाण्डेय धीरज ,त्रिपाठी प्रमोद पांडेय, रामविनय पाण्डेय विहिप जिलाध्यक्ष गोपेश पाल, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में माताएं और बहने उपस्थित रही।

आरएसएस ने किया सामाजिक समरसता सहभोज का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परशुरामपुर ब्लाक के गौरा पाण्डेय गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मकर संक्रांति उत्सव को लेकर बुधवार को सामाजिक समरसता सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राम वल्लभा कुंज जानकी घाट अयोध्या के राजकुमार दास ने किया। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि भारत का इतिहास गवाह है कि सनातन संस्कृति को खत्म करने की तमाम कोशिश हुई। चूंकि उत्सव भारत की परंपरा है और उत्सव जब उत्साह के साथ मनाया जाए तो वह भौगोलिक क्षेत्र कभी नष्ट नहीं हो सकता। बिखरे हुए लोगों को एकजुट करना भारत के पर्व और उत्सवों की परम्परा रही है। जहां भाव है वहीं भारत है, भारत और सनातन अलग नहीं बल्कि एक हैं। कहा कि समरसता प्रदर्शन का नहीं बल्कि आचरण का विषय है और भारत के

स्वभाव, संस्कृति, व्यवहार में ही समरसता है। हम सभी समाज में समानता स्थापित करने का संकल्प लें तभी भारत सहित समूचे विश्व का कल्याण संभव है। कार्यक्रम के अध्यक्ष ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व ने हिंदुओं को आपस में बांटने का कार्य किया है ऐसे असामाजिक तत्वों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सनातन ही सभी को संगठित करके समृद्धशाली राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में सामाजिक समरसता के लिए इस तरह के आयोजन बहुत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर आरएसएस के जिला प्रचारक राघवेन्द्र, सर्वेश, बृजराज शुक्ल, अनन्त पाण्डेय, जगदम्बा, विकास कान्त पाण्डेय, विवेक कान्त पाण्डेय, दीपांशु सिंह, प्रदीप, अरविंद, शक्ति, विनोद शुक्ल, जनार्दन शुक्ल, अरविन्द पाण्डेय, बद्री विशाल पाण्डेय, हरिद्वार मिश्र, देवेन्द्र सिंह, विशाल मिश्र, सतीश, रमेश पाण्डेय, सुभाष पाण्डेय, प्रेरक मिश्र, अनूप त्रिपाठी, अरविंद सिंह, सुमित, बृजेश पासवान, दिनेश पांडेय, विजय बहादुर पाण्डेय, रवीन्द्र पाण्डेय, दिनेश सिंह, राम प्रगट पाण्डेय, अवधेश पाण्डेय, विनय मिश्र, सतीश पाण्डेय, अनिल मिश्रा, कृष्णचंद पाण्डेय, शुभ सागर पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 जनवरी 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

अमीरी गरीबी की बढती खाई

किसी भी राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आर्थिक समानता का होना बेहद जरूरी है। जब तक सभी नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं होंगी, तब तक विकास के तमाम दावे अधूरे ही साबित होंगे। मगर, चिंताजनक बात है कि दुनिया भर में आर्थिक असमानता का दायरा बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है, बल्कि आमजन की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी आधारभूत जरूरतों तक पहुंच भी सीमित हो रही है। इससे कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

विश्व आर्थिक मंच की नई सर्वेक्षण रपट में भी इस बात को उजागर किया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर के युवा असमानता से चिंतित हैं। मगर इसकी आलोचना करने के बजाय, वे इसमें बदलाव चाहते हैं। सवाल है कि आखिर अमीर–गरीब के बीच खाई घटने की बजाय बढ़ क्यों रही है? क्या शासन और प्रशासन को इस बात का भान नहीं है कि इस असमानता के परिणाम न केवल किसी एक देश, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए घातक हो सकते हैं?

इसमें दोराय नहीं कि आर्थिक असमानता के मामले में भारत भी पीछे नहीं है। विश्व असमानता पर हाल में जारी की गई एक रपट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का करीब चालीस फीसद हिस्सा महज एक फीसद लोगों के पास है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में आर्थिक असंतुलन का स्तर कहां पहुंच गया है। युवा वर्ग भी इससे प्रभावित हो रहा है और वह व्यवस्था में बदलाव तो चाहता है, लेकिन इसके लिए उसे सही मंच और अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच की रपट में कहा गया है कि सर्वेक्षण के दौरान सत्तावन फीसद युवाओं ने इस असमानता पर गंभीर चिंता जताई है। आर्थिक असमानता बढ़ने की चेतावनी पहले भी दी जाती रही है, लेकिन इस पर गंभीरता दिखाने की पहल दुनिया के किसी कोने में नजर नहीं आई है। ऐसे में इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब किसी देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा चंद लोगों के हाथों में आ जाएगा, तो उसका परिणाम क्या होगा।

आवारा कुत्ते

देश में आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं अब आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए गली–मोहल्लों में सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं है। पिछले कई वर्षों से यह मसला सत्ता के गलियारों से लेकर सड़क तक उठता रहा है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन नतीजा ‘ढाक के तीन पात’ जैसा ही है।

यही वजह है कि मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं में राज्यों को भारी मुआवजा देने के निर्देश दिए जाएंगे, क्योंकि पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। साथ ही यह भी कहा कि कुत्तों को सड़क पर भोजन खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी को इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस संकट से निपटने के लिए न तो राज्य सरकारों की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और न ही कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसने पर रोक लग पाई है।

केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की तरफ से पिछले वर्ष जारी आंकड़ों पर गौर करें, तो देश में जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर तक कुत्ते के काटने के सैंतीस लाख से अधिक मामले सामने आए। इनमें पांच लाख से ज्यादा मामले पंद्रह साल से कम उम्र के बच्चों के थे। जबकि कुत्ते के काटने से करीब सैंतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर मामले रेबीज संक्रमण के थे। इन आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

इस समस्या से निजात पाने का सरल एवं प्रभावी उपाय आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना माना जाता है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में टीकाकरण के जरिए कुत्तों का बंध्याकरण करने का कार्यक्रम शुरू किया गया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और इच्छाशक्ति के अभाव में यह मुहिम कागजों में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ रही है और इंसानों को काटने की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

शीर्ष अदालत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पिछले दिनों आक्रामक आवारा कुत्तों को सड़क से हटाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया था। साथ ही गली–मोहल्लों में कुत्तों को सड़क पर भोजन नहीं परोसने की हिदायत भी दी थी। मगर पशु प्रेमियों को यह फैसला रास नहीं आया और यह मामला फिर से सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया।

इसमें दोराय नहीं है कि आवारा कुत्तों को सुरक्षित और खुला वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन इस बात को भी समझना जरूरी है कि मानव सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने भी यह सवाल उठाया है कि अगर पशु प्रेमियों को आवारा कुत्तों से लगाव है, तो वे उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? दरअसल, कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसे जाने से वे वहीं आसपास घूमते रहते हैं और स्थानीय लोगों को काटते और डराते हैं। ऐसे में इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या से निपटने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

जर्मन पनडुब्बी डील और चीनी निगाहें

–पुष्परंजन–

जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स जब तक भारत में थे, चीन की पूरी निगाहें रक्षा समझौतों पर टिकी हुई थी। चीन की चिंता एशिया–प्रशांत और साउथ चाइना सी में भारत की बढ़ती नेवल पॉवर को लेकर है।

‘प्रोजेक्ट 75–आई’ के नाम से जाना जाने वाला यह समझौता अमल में आया तो भारत की रक्षा खरीद, अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट) में एक क्रान्तिकारी बदलाव लाएगा। पहली बार, इस डील में एक कॉम्प्रिहेंसिव डिजाइन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (टीओटी) शामिल है, जिससे छह टाइप 214 पारंपरिक सबमरीन पूरी तरह से मुंबई में मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड यार्ड में बनाई जा सकेंगी। जर्मन डील नौसेना के अगली पीढ़ी के ‘स्टील्थ’ बेड़े पर केंद्रित है। लेकिन, पनडुब्बियों की डील केवल जर्मनी तक सीमित नहीं है। भारत, फ्रांस के साथ तीन अतिरिक्त स्कॉर्पियों क्लास (कलवरी) सबमरीन के लिए 4.3 अरब डॉलर की डील अलग से फाइनल कर रहा है। मौजूदा जर्मन सरकार इस डील को रूसी सैन्य उपकरणों पर भारतीय निर्भरता से दूर करने और बाजार में पैठ बनाने के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में देखती है। कुछ तकनीकी वजहों से लगभग फाइनल हो चुकी ‘प्रोजेक्ट 75–आई’ डील की घोषणा नहीं की जा रही है।

फ्रीडरिष मैर्त्स की सत्तारूढ़ क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) एक मध्य–दक्षिणपंथी पार्टी है, जिसके साथ गठबंधन में क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) और ओलाफ शॉल्त्स की मध्य–वामपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) शामिल है। इसे जर्मनी में ‘काला–लाल गठबंधन’ कहते हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य आर्थिक विकास और रक्षा खर्च बढ़ाना है। हालांकि, सामाजिक कल्याण के सवाल पर इनमें मतभेद हैं। भले ही मैर्त्स सरकार भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का समर्थन करती हो, मगर जर्मनी में कुछ राजनीतिक दल, खासकर एसपीडी और ग्रीन्स, हथियारों के निर्यात पर सख्त पाबंदियों की वकालत करते रहे हैं, खासकर नाटो से बाहर के क्षेत्रों में।

जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स जब तक भारत में थे, चीन की पूरी निगाहें रक्षा समझौतों पर टिकी हुई थी। चीन की चिंता एशिया–प्रशांत और साउथ चाइना सी में भारत ककी बढ़ती नेवल पॉवर को लेकर है। एडवांस्ड टाइप 214 सबमरीन डील को लेकर चीन की भृकुटि तनी हुई है। गत 31 जुलाई, 2025 को चीनी समाचारपत्र ग्लोबल टाइम्स की एक लीड खबर से उसकी चिंता समझी जा सकती है, जिसमें लिखा था, ‘भारत अगले हफ्ते साउथ चाइना सी में युद्धपोत भेजने की योजना बना रहा है। ऐसा कदम फिलीपींस के लिए समर्थन का ‘एक साफ संकेत’ है।’टॉप नौसैनिक शक्तियों में नंबर वन अमेरिका है। चीन दूसरे नंबर पर और तीसरे स्थान पर रूस है। उसके प्रकारांतर इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, और जापान हैं। भारत सातवां नौसैनिक शक्ति है। एडवांस्ड सबमरीन बनाने के लिए जर्मनी के साथ एक ऐतिहासिक समझौते पर साइन होने से भारत के रक्षा क्षेत्र को जबरदस्त बूस्टर डोज मिलने वाला है। ‘थाईसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स’, जर्मनी की सबसे बड़ी नौसैनिक जहाज निर्माता कंपनी है। थाईसेनक्रुप के साथ यह डील छह डीजल पनडुब्बियों के लिए है, जिन्हें एडवांस्ड कन्वेंशनल सबमरीन के नाम से जाना जाता है। तकनीकी जरूरतों में से एक यह है कि पनडुब्बियों में एयर–इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) टेक्नोलॉजी से लैस है, ताकि ऐसी पनडुब्बियां स्टील्थ क्षमता बढ़ाने के लिए ज्यादा समय तक पानी के अंदर रह सकें।

लेकिन सवाल है कि भारतीय नौसेना के लिए टाइप 214 सबमरीन क्यों चाहिए? भारत और रूस की नौसेना के बीच पनडुब्बी प्रौद्योगिकी का लंबा और सफल इतिहास रहा है, जिसमें किलो–क्लास और अकुला–क्लास पनडुब्बियों का बड़ा योगदान है। रूसी पनडुब्बियां अक्सर अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक किफायती रही हैं, जिससे भारत अपने रक्षा बजट के भीतर अपनी क्षमता बढ़ा सका। रूस ने भारत को परमाणु पनडुब्बियों को लीज पर देकर भारत की परमाणु पनडुब्बी क्षमता को बढ़ाने में मदद की है। फिर भी, यह नाकाफी है।

यह पनडुब्बी जर्मनी के टाइप 214 डिजाइन पर आधारित है, जिसमें एयर–इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) टेक्नोलॉजी शामिल है। एआईपी सिस्टम अपने पनडुब्बियों को ऑक्सीजन के लिए बार–बार सतह पर आए बिना, पारंपरिक डीजल–इलेक्ट्रिक सबमरीन की तुलना में बहुत लंबे समय तक पानी के अंदर काम करने की अनुमति देते हैं। इसका मतलब है कि ऐसे सबमरीन दो हफ्ते, या उससे कहीं ज्यादा समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, जिससे स्टील्थ क्षमता बहुत बढ़ जाती है, और शत्रु की सेनाओं द्वारा पकड़े जाने की संभावना कम हो जाती है।

टाइप 214 सबमरीन एडवांस्ड मटीरियल का उपयोग करके बनाई गई हैं, जो सोनार डिटेक्शन से बचना आसान कर देते हैं। सोनार डिटेक्शन वह तकनीक है, जो पानी के नीचे वस्तुओं (जैसे पनडुब्बियां, मछली, समुद्री तल) का पता लगाने, नेविगेट करने, और उनका मानचित्रण करने के लिए ध्वनि तरंगों का उपयोग करती। टाइप 214 पनडुब्बियों सोनार डिटेक्शन को भी धोखा देने में सक्षम है। टाइप 214 सबमरीन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर न सिर्फ भारत की सबमरीन बनाने की क्षमता को बेहतर बनाएगा, बल्कि भविष्य के रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए भी जमीन तैयार करेगा। यह लोकल इंडस्ट्रीज को मजबूत करेगा, रक्षा रिसर्च और डेवलपमेंट में नवाचार को बढ़ावा देगा। यह सहयोग भारतीय रक्षा निर्माण के क्षेत्र में भी भरोसा पैदा करेगा, भविष्य में जॉइंट वेंचर और एक्सपोर्ट के रास्ते खोल सकता है।

इस समझौते के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक, जर्मनी से भारत को टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर है। इसमें देरी की वजह भी इन्हीं बिंदुओं पर क्रमवार बातचीत है। इस वास्ते जर्मन चांसलर को अपने देश की संसद और सरकार में सहयोगी गठबंधन को भी भरोसे में लेना होगा। मंगलवार को जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स स्वदेश लौट गए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से कई नीतिगत घोषणाएं कीं। लेकिन, 800 अरब डॉलर की पनडुब्बी डील पर गहरी चुप्पी है।

इन सारे समझौतों में मास्टर स्ट्रोक कोई है तो वह है एडवांस्ड ‘टाइप 214 सबमरीन डील’। लेकिन उभयपक्षीय व्यापार का भी अपना महत्व है। जर्मन सरकार की 2030 तक लक्षित कुल 10 अरब यूरो की प्रतिबद्धता रियायती ऋण के रूप में होंगी, जिसमें से लगभग 5 अरब यूरो का निवेश पहले ही किया जा चुका है। जर्मनी, 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 51.23 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। पिछले पांच वर्षों में जर्मनी में रहने वाले भारतीयों की संख्या दोगुनी होकर तीन लाख पर पहुंच गई है। इनमें लगभग 60,000 छात्र भी शामिल हैं। जर्मनी ने भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा मुक्त आवाजाही की घोषणा की है। लेकिन, क्या ‘प्रोजेक्ट 75–आई’ डील से अमेरिका को कोई दिक्कत नहीं है? यदि अमेरिकी क्लब का देश, रक्षा सौदे में रूस को रिप्लेस करे तो दिक्कत होनी नहीं चाहिए। पाकिस्तान, बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना जैसे हालत से गुजरता रहेगा!

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

माँ–बाप की नीयत, परवरिश और टूटते घर

– डॉ. प्रियंका सौरभ–

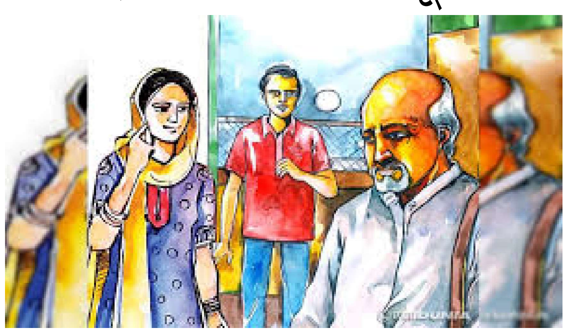

भारतीय समाज में माता–पिता को सर्वोच्च नैतिक स्थान प्राप्त है। उन्हें त्याग, तपस्या और निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक माना जाता है। बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि माँ–बाप कभी गलत नहीं हो सकते। उनकी हर बात आदेश है, हर निर्णय अंतिम सत्य। लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में यह धारणा अब कई सवालों के घेरे में है। आज जब पारिवारिक विघटन, तलाक, अलगाव और घरेलू तनाव की घटनाएँ बढ़ रही हैं, तब यह जरूरी हो गया है कि हम ईमानदारी से यह स्वीकार करेंकृमाँ–बाप भी हमेशा सही नहीं होते। आज अनेक परिवारों में टूटन का कारण केवल पति–पत्नी के बीच का मतभेद नहीं है, बल्कि उसके पीछे माता–पिता की भूमिका भी उतनी ही निर्णायक होती जा रही है। यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन सच्चाई यही है कि कई घरों में माता–पिता द्वारा किया गया पक्षपात, हस्तक्षेप और नियंत्रण रिश्तों को भीतर से खोखला कर रहा है।

सबसे पहले बात करते हैं भेदभाव की संस्कृति की। भारतीय परिवारों में यह कोई नई बात नहीं है कि बच्चों के बीच तुलना और पक्षपात होता रहा है। बड़ा बेटा ”वारिस” माना जाता है, छोटा ”समझौता” करता है, बेटी ”पराया धन” होती है और बहू ”बाहरी”। यही सोच जब व्यवहार में उतरती है, तो घर में स्थायी तनाव पैदा हो जाता है। माता–पिता अनजाने में या जानबूझकर एक बेटे के पक्ष में खड़े हो जाते हैं, दूसरे को उपेक्षित कर देते हैं। बहू को हर विवाद की जड़ मान लिया जाता है, जबकि बेटी के दोष पर पर्दा डाल दिया जाता है। यह असमानता रिश्तों को धीरे–धीरे तोड़ देती है। विवाह के बाद बहू का स्थान आज भी कई घरों में संदिग्ध बना रहता है। उससे उम्मीद की जाती है कि वह बिना सवाल किए हर परंपरा को स्वीकार करे, हर निर्णय माने और अपनी पहचान को त्याग दे। यदि वह अपने अधिकार, सम्मान या स्वतंत्रता की बात करती है, तो उसे ”घर तोड़ने वाली” करार दे दिया जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि कई बार घर पहले ही भीतर से टूट चुका होता है सिर्फ दिखावा बचा होता है।

माता–पिता का अत्यधिक हस्तक्षेप भी आज पारिवारिक विघटन का बड़ा कारण बन रहा है। बेटे–बहू के निजी मामलों में दखल देना, छोटी–छोटी बातों को तूल देना, बहू की शिकायतों को नजरअंदाज करना और बेटे को भावनात्मक दबाव में रखनाकृ ये सब स्थितियाँ विवाह को बोझ बना देती हैं। बेटा अक्सर दो पाटों के बीच फँस जाता हैकृएक ओर पत्नी, दूसरी ओर माता–पिता। और समाज उसे यही सिखाता है कि माता–पिता का साथ देना ही धर्म है, चाहे इसके लिए दांपत्य जीवन की बलि क्यों न देनी पड़े। यह भी देखने में आता है कि बेटी की शादी के बाद भी माता–पिता उसे अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं। बेटी को बार–बार मायके बुलाकर, उसके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप कर, दामाद के खिलाफ राय बनाकर, वे अनजाने में बेटी का घर कमजोर कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि बेटी और दामाद के बीच अविश्वास पनपता है, और अंततः रिश्ता टूटने की कगार पर पहुँच जाता है।

एक और गंभीर पहलू है भावनात्मक ब्लैकमेल। ”हमने तुम्हारे लिए क्या–क्या नहीं किया”, ”हमारे कारण तुम इस मुकाम पर हो”, ”अगर हमारी बात नहीं मानी तो लोग क्या कहेंगे”कृऐसे वाक्य बच्चों को मानसिक रूप से जकड़ लेते हैं। वे अपनी खुशी, अपने रिश्ते और अपने सपनों की कीमत पर भी माता–पिता को खुश रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह दबा हुआ असंतोष किसी न किसी दिन विस्फोट बनकर सामने आता है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब समाज भी इस मानसिकता को बढ़ावा देता है। हर विवाद में सबसे पहले सवाल बहू से किया जाता हैकृ”क्या किया तुमने?” बेटे को ”मजबूर” मान लिया जाता है और माता–पिता को ”पीड़ित”। इस सामूहिक पूर्वाग्रह के कारण सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाती। जिन घरों में माता–पिता की भूमिका नकारात्मक होती है, वहाँ भी उन्हें प्रश्नों से ऊपर रखा जाता है।

यह कहना भी जरूरी है कि हर माता–पिता दोषी नहीं होते। असंख्य माता–पिता ऐसे हैं जो संतुलित, संवेदनशील और न्यायप्रिय होते हैं। वे बच्चों को स्वतंत्र निर्णय लेने देते हैं, बहू–दामाद को सम्मान देते हैं और संवाद को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन समस्या उन माता–पिता की है जो अपने अनुभव को अंतिम सत्य मान लेते हैं और बदलते समय को स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। आज का युवा अलग सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों में जी रहा है। उसके सामने करियर का दबाव है, आर्थिक असुरक्षा है, बदलते रिश्तों की चुनौतियाँ हैं। ऐसे में उसे सहयोग चाहिए, नियंत्रण नहीं। उसे समझ चाहिए, आदेश नहीं। माता–पिता यदि यह समझने में असफल रहते हैं, तो टकराव स्वाभाविक है। परिवार संस्था को बचाने के लिए सबसे जरूरी है आत्ममंथन। माता–पिता को यह स्वीकार करना होगा कि उम्र के साथ–साथ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी बढ़ती है। मार्गदर्शन और हस्तक्षेप में अंतर होता है। बच्चों की शादी का अर्थ यह नहीं कि वे हमेशा माता–पिता की इच्छाओं के अनुसार ही जिएँ। उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देना भी परवरिश का हिस्सा है। साथ ही, बच्चों को भी यह समझना होगा कि संवाद ही समाधान है। टकराव, कटुता और अलगाव स्थायी समाधान नहीं हैं। लेकिन संवाद तभी संभव है जब माता–पिता भी सुनने को तैयार होंकृबिना जजमेंट, बिना अहंकार।

आज जरूरत है कि हम ”माँ–बाप हमेशा सही होते हैं” जैसी भावनात्मक लेकिन अव्यावहारिक धारणाओं से बाहर आएँ। सम्मान और प्रश्न एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैं। माता–पिता का सम्मान करते हुए भी उनकी भूमिका की समीक्षा की जा सकती है। यही स्वस्थ समाज की पहचान है।

घर टूटने का कारण कभी एक व्यक्ति नहीं होता। यह कई गलत फैसलों, दबे हुए दर्द और अनसुनी आवाजों का परिणाम होता है। यदि सच में हम परिवारों को टूटने से बचाना चाहते हैं, तो हमें साहस के साथ यह स्वीकार करना होगा कि कभी–कभी आईना माता–पिता को भी दिखाना पड़ता है। यही कड़वा सच आगे चलकर मीठे रिश्तों की नींव बन सकता है।

सऊदी अरब और यू.ए.ई. के बीच तनाव

–के.पी. नायर–

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का घनिष्ठ मित्रतापूर्ण संबंधों से प्रतिद्वंद्वी बनने का परिवर्तन नई दिल्ली के लिए सतर्कता की मांग करता है। भारत–कनाडा संबंधों में बरती गई लापरवाही या 2024 में डोनाल्ड ट्रम्प के अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद से भारत–अमरीका के बीच औपचारिकता की पूर्ण कमी को खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) के सदस्य देशों में नहीं दोहराया जाना चाहिए। पिछले 10 वर्षों में भारत की कूटनीति के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ संबंधों का विस्तार एक शानदार सफलता रही है। लेकिन जैसा कि बंगलादेश ने पिछले साल दिखाया, विदेश नीति कभी स्थिर नहीं होती। पहले भारत इन नव–धनी देशों में बन रही विशाल, पैट्रोडॉलर–वित्त पोषित निर्माण परियोजनाओं, जैसे आवास से लेकर रिफाइनरियों तक, के लिए बड़ी संख्या में गैर–राजनीतिक और भरोसेमंद श्रम का स्रोत मात्र था। भारत अब एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, न कि मध्य स्तर का विकासशील देश।

खाड़ी देशों में तेजी से बदलती परिस्थितियों की भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत में पहले समय की परिस्थितियां खाड़ी देशों की परिस्थितियों के अनुकूल नहीं थीं, सिवाय भारत की आयाओं, भारवाहकों, रसोइयों और चालकों (जिन्हें स्थानीय रूप से ए.बी.सी.डी. कहा जाता था) के लिए काम तलाशने के। संयुक्त अरब अमीरात में 45 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो अमरीका में रहने वाले मूल भारतीयों की संख्या के बाद दूसरे स्थान पर है। सऊदी अरब लगभग 28 लाख भारतीयों के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब मिलकर भारत में सबसे अधिक धन प्रेषण का स्रोत हैं। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा योगदान जी.सी.सी. देशों का है। भारत का रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार लगभग पूरी तरह से आबू धाबी से प्राप्त कच्चे तेल से बना है।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में आई इस गंभीर गिरावट का तात्कालिक कारण यमन को लेकर दोनों देशों का अलग–अलग दृष्टिकोण है। मार्च, 2015 से दोनों देशों ने सना में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ी, जिसे ईरान के समर्थन से हौथियों ने उखाड़ फैंका था। चार साल बाद, जब संयुक्त अरब अमीरात की मौतें बढने लगीं, तो उसने यमन में अपनी सैन्य उपस्थिति कम करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, सऊदी अरब को उतने लोगों का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने हौथियों पर हमले हवाई बमबारी तक ही सीमित रखे। सहानुभूति जताते हुए, यू.ए.ई. के पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर स्थापित खलीफा फाऊंडेशन चौरिटी ने घायल यमनी लोगों को इलाज के लिए भारतीय अस्पतालों में विमानों से भेजा।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले ‘कोएलिशन ऑफ द विलिंग’ के विघटन के बाद, संयुक्त अरब अमीरात ने अदन में एक अलगाववादी समूह–दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एस.टी.सी.). को अपना प्रतिनिधि बना लिया। सऊदी अरब एक एकीकृत यमन चाहता है, जो उसकी कानूनी सरकार के अधीन हो।पिछले सप्ताह, राष्ट्रीय राजधानी में स्थित यू.ए.ई. समध्थत एस.टी.सी. ने व्यावहारिक रूप से उस पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया था, जो पूर्व में दक्षिण यमन कहलाता था। सऊदी अरब के समर्थन से सना से किए गए हमलों के बाद अदन स्थित इस क्षेत्र का मुख्य हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सूडान को लेकर भी आमने–सामने हैं। दक्षिण सूडान गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यू.एन.एम.आई.एस.एस.) में 2306 भारतीय सैनिक तैनात हैं। सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित क्षेत्र अबेई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यू.एन.आई.एस.एफ.ए.) में 506 भारतीय शांति सैनिक भी हैं। यदि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपने–अपने सहयोगियों को हथियारों की आपूर्ति और वित्तीय सहायता बढ़ाते हैं, तो उन्हें खतरा होगा। ओ.एन.जी.सी. विदेश लिमिटेड ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के तहत अविभाजित सूडान के तेल उद्योग में 2.3 अरब डॉलर का निवेश किया था। यह निवेश अब दोनों सूडानों में फैला हुआ है और गृहयुद्ध से प्रभावित हुआ है।

पूर्व आईपीएस का टूथपेस्ट गायब, रुपए भी मिले कम, कोर्ट ने पुलिस से तलब की रिपोर्ट

संवाददाता–देवरिया। धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार और यूपी की देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर से जुड़ा एक और नया मामला सामने आया है। गिरफ्तारी के दौरान कब्जे में लिए गए टूथपेस्ट व रुपये गायब होने की बात सामने आने के बाद खलबली मच गई है। इस मामले में सीजेएम न्यायालय में याचिका के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया है। सीजेएम न्यायालय ने इस मामले में 23 जनवरी तक कोतवाली पुलिस से रिपोर्ट तलब किया है।

औद्योगिक प्लाट आवंटन में धोखाधड़ी करने के मामले में 10 दिसंबर को पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को गिरफ्तार किया गया था। इस समय वह जेल में हैं। इस बीच रामपुर कारखाना के हरपुर के रहने वाले भीमसेन राव ने सीजेएम न्यायालय में याचिका के लिए आवेदन पत्र मंगलवार को दिया। जिसमें उन्होंने कहा है कि वह पूर्व आईपीएस अधिकारी के पैरवीकार हैं। दौरान गिरफ्तारी अमिताभ ठाकुर के सामानों को कोतवाली पुलिस द्वारा जब्त कर अपनी कस्टडी में रखा गया था, जिसको अतुल कुमार के पक्ष में अवमुक्त किया गया था। इसकी जानकारी अमिताभ ठाकुर को देने पर उनके द्वारा यह बताया गया कि उनके दो मोबाइल में पिन लॉक था, कोतवाली पुलिस द्वारा 42 हजार रुपये, एक टूथपेस्ट भी लिया गया था। लेकिन सामानों को अवमुक्त करने के दौरान 42 हजार की जगह 7208 रुपये ही दिया गया, टूथपेस्ट नहीं दिया गया। साथ ही एक मोबाइल का पासवर्ड तोड़ दिया गया है। इस मामले में रिपोर्ट मांग कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

उधर, पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका भी सोमवार को जिला जज के न्यायालय में दाखिल की गई है। 17 जनवरी को उसमें तारीख लगी है। जमानत याचिका पर उसी दिन सुनवाई होगी। उधर पत्नी नतून ठाकुर की अग्रिम जमानत याचिका पर भी सुनवाई नहीं हुई और अगली तारीख 17 जनवरी ही निर्धारित की गई है। लखनऊ के गोमतीनगर के विराम खंड निवासी अमिताभ ठाकुर ने 1999 में देवरिया में एसपी रहने के दौरान पत्नी नूतन के नाम से औद्योगिक क्षेत्र में प्लाट खरीदा था। प्लाट खरीदने के दौरान पत्नी नूतन ठाकुर की जगह नूतन देवी व पति का नाम अमिताभ ठाकुर की जगह अभिजात लिखा गया। सितंबर 2025 में इस मामले में लखनऊ के ताल कटोरा थाने में केस दर्ज हुआ था। 10 दिसंबर को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर सीजेएम न्यायालय में पेश किया, जहां से वह जेल भेज दिए गए।

छह जनवरी को सीजेएम न्यायालय में सुनवाई के बाद जमानत याचिका खारिज हो गई। उसी रात को उनकी तबीयत बिगड़ गई और पीजीआई तक ले जाना पड़ा। सोमवार को पूर्व आईपीएस के अधिवक्ता ने जिला जज की अदालत में जमानत याचिका दाखिल की। जिस पर सुनवाई की तिथि 17 जनवरी निर्धारित की गई है।

शौच के लिए निकली किशोरी का बागीचे में फंदे से लटकता मिला शव

संवाददाता–देवरिया। घर से निकली किशोरी का बुधवार की सुबह बागीचे में फंदे से लटकता हुआ शव मिला। इसकी जानकारी होते ही लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी मंगलवार की सुबह घर से शौच के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक वह घर नहीं लौटी थी। परिजन किशोरी की हत्या की आशंका जता रहे हैं। बरियारपुर थाना क्षेत्र के चौहान टोला के रहने वाले महेन्द्र चौहान की बेटी नन्दनी(16) कक्षा दसवीं की छात्रा थी। मंगलवार की सुबह वह अपने घर से शौच के लिए निकली थी, लेकिन काफी देर तक वह घर नहीं लौटी।

उसके घर न लौटने पर परिजन तलाश करना शुरू किए लेकिन शाम तक उसका कुछ पता नहीं चल सका। जिसके बाद देर शाम को परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी और तहरीर देकर उसकी तलाश करने की गुहार लगाई। बुधवार की सुबह किशोरी का शव उसके घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक बागीचे में आम के पेड़ पर लाल गमछे के सहारे लटकता हुआ मिला। सुबह बागीचे की तरफ गए लोग शव को देखकर दंग रह गए और इसकी जानकारी परिजनों को दी। शव मिलने की जानकारी होते ही लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उधर मौत की जानकारी होने के बाद किशोरी के परिवार में कोहराम मच गया। उसकी मां कलपाती देवी का रो– रो कर बुरा हाल था।

डॉ रमीज को फांसी होनी चाहिए, बांग्लादेश का इंडिया राशन–पानी बंद कर दे –डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया

संवाददाता–गोण्डा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा आयोजित एक हिंदू और कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने केजीएमयू मामले और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अयोध्या मंदिर दर्शन पर भी टिप्पणी की है।

मीडिया से बात करते हुए डॉ. तोगड़िया ने झलकन प्रकरण को हिंदू लड़कियों को फंसाने का षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर रमीज जैसे लोगों को मृत्युदंड मिलना चाहिए। तोगड़िया ने मांग की कि ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाकर फांसी पर चढ़ाया जाए, ताकि कोई दोबारा ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे।

उन्होंने कहा कि आरोपी के पाकिस्तान से भी कनेक्शन सामने आ सकते हैं। डॉ. तोगड़िया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ऐसे लोगों के खिलाफ फांसी की मांग करते हुए विश्वास जताया कि सीएम योगी ऐसे लोगों को निपटा देंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर तोगड़िया ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हाल ही में वहां एक हिंदू की हत्या हुई है और प्रतिदिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने बांग्लादेश को 'नमक हराम' बताते हुए कहा कि जिस देश को हिंदू सैनिकों के खून–पसीने से बनाया गया, वही हिंदुओं पर अत्याचार कर रहा है।

तोगड़िया ने भारत सरकार से बांग्लादेश पर दबाव बनाने की अपील की। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि भारत सरकार बांग्लादेश को नमक, चावल और गंगा–ब्रह्मपुत्र नदी का पानी बंद कर दे, तो बांग्लादेश भूखा मर जाएगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह इस दिशा में कदम उठाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अयोध्या मंदिर दर्शन करने की चर्चाओं पर डॉ. तोगड़िया ने कहा कि मंदिर दर्शन के लिए किसी को निमंत्रण या न्योता नहीं दिया जाता।

मंदिर सबका है सभी जाति का है इसीलिए मंदिर में जाना कोई बड़ी बात नहीं है मंदिर जाना ही चाहिए उसका ढोल पिटारा बजाने की मुझे आवश्यकता नहीं है और किसी को भी जरूरत नहीं है।वही भारत में हिंदुओं की संख्या घट रही है दिए गए अपने बयान पर कहा कि सिर्फ एक ही रास्ता है इसको लेकर के जनसंख्या नियंत्रण का कानून बने

जिनके घर में 2– 5 बच्चे है जब जनसंख्या नियंत्रण का कानून बनेगा कानून बनने के बाद जिनके घर में नए जन्म होगा। उनके परिवार को सरकारी अन्न बन्द कर दिया जाएगा उनके बच्चों को सरकारी स्कूल में प्रवेश नहीं, सरकारी अस्पताल से दवा नहीं दी जाएगी। बैंक से लोन नहीं, सरकारी नौकरी नहीं और उनके वोट देने का अधिकार छीन लिया जाएगा हम देश में डंके की चोट पर हिंदू बहुमत बना कर रखेंगे।

वहीं ममता बनर्जी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप को लेकर कहा कि चुनाव आ रहा है तो सब की नौटंकी चलती रहती है उससे मेरा क्या लेना देना है। वहीं पश्चिम बंगाल में दूसरी बाबरी मस्जिद बनाए जाने की घोषणा किए जाने पर कहा कि यह नौटंकी है नौटंकी बाज की बात पर आपको ध्यान नहीं देना चाहिए। ऐसे बहुत नौटंकी बाज भारत में आकर के निपट गए हैं बाबर भी निपट गया है औरंगजेब भी निपट गया है।

आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे का आयोजन, डीएम की अध्यक्षता में पूर्व सैनिकों का सम्मान

संवाददाता–महराजगंज। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में 'आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें पूर्व सैनिकों के शौर्य, बलिदान और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सराहा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीद नायक प्रेम बहादुर खत्री, नायक पूरन बहादुर थापा और हवलदार प्रदीप कुमार थापा के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद, सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने देश के अमर शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने जिलाधिकारी, एसएसबी कमांडेंट, अपर जिलाधिकारी और पूर्व सैनिकों का स्वागत किया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन पूर्व सैनिकों के अनुभवों का लाभ नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लेना चाहता है। उन्होंने बताया कि इन पूर्व सैनिकों की सेवाओं का उपयोग नागरिक सेवा के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने में किया जाएगा, जिससे जनपद में एक कुशल और मजबूत नागरिक सुरक्षा बल तैयार हो सके। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि तीनों सेनाओं द्वारा संयुक्त रूप से पूर्व सैनिकों के शौर्य, बलिदान, त्याग और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए 'आर्म्ड फोर्सेज वेटरन्स डे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने जोर दिया कि यह दिवस केवल पूर्व सैनिकों के सम्मान का माध्यम नहीं है, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को भी दर्शाता है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल (रि.) धीरेन्द्र राय ने पूर्व सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि देश और समाज उनके बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिलाधिकारी और जिला प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसएसबी कमांडेंट 22वीं वाहिनी शक्ति सिंह ठाकुर, अतिरिक्त उपजिलाधिकारी विजय यादव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कन्हैया यादव सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन 'भारत माता की जय' के नारे के साथ हुआ।

इकलौते बेटे की लाश लेकर आरोपी के घर पहुंच गया परिवार और गांववाले, करने लगे विलाप

संवाददाता–कुशीनगर। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के कटनवार में एक युवक का शव आरोपी के दरवाजे पर रखकर परिजनों ने विलाप करने लगे। परिवार के गम में शामिल गांववाले भी वहां पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। ये लोग युवक को साथ ले जाकर उसे खिला–पिलाकर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा रहे थे। सूचना पर पहुंचे कोतवाल के काफी मान मनौवल के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा था।

परिजनों ने बताया कटनवार निवासी 24 वर्षीय सत्येंद्र गिरी को उसके गांव का एक युवक दो महीने 5 दिन पहले बाइक से अपने साथ ले गया। दिन भर साथ रखा। साथ में खाया–पिया, उसके बाद उसे पीटकर अधमरा करने के बाद खिरकिया के पास घायल होने की सूचना दी थी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे घायल हालत में गोरखपुर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा था। वहां इलाज के दौरान कल उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद रात में परिजन शव लेकर पहुंचे हैं। आज शव आरोपी के दरवाजे पर रखकर विलाप और प्रदर्शन किए। कोतवाल हर्षवर्धन सिंह पहुंचे और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए, लेकिन परिजनों का कहना था की घटना के दो महीने बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। इस पर उन्होंने परिजनों से जो भी उनका तथ्य हो, देने को कहा, जिसके बाद शव लेकर जाने के लिए परिजन सहमत हुए। परिजनों ने कहा कि युवक के इलाज में सात लाख से अधिक रुपये खर्च हुए हैं। उन्होंने इसे भी दिलाने की मांग की।

वहीं कुशीनगर जिले के ही पडरौना शहर में बुधवार सुबह एक युवक की संदिग्ध हालत में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक का गला मफलर से कसा हुआ था और गर्दन पर स्पष्ट निशान भी दिखाई दे रहे थे। इसको लेकर परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। सुबह करीब आठ बजे शहर के छुछिया गेट के पास एक कुएं के पीछे कुछ लोगों ने एक युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। जब लोग पास पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर परिजन भी वहां पहुंच गए और शव की पहचान सोनू खरवार (21), पुत्र कैलाश खरवार, निवासी सरदार पटेल नगर राईनी मोहल्ला के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार सोनू रविवार की शाम बाहर से कमाकर घर लौटा था। इसके बाद मंगलवार की शाम से वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। बुधवार सुबह उसकी लाश मिलने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

प्रभारी मंत्री ने बताया जी राम जी के फायदे

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बुधवार को श्रावस्ती पहुंच कर बैठक किया और जी राम जी योजना की जानकारी दी। इसके साथ ही गरीबों को कंबल का वितरण किया और दिव्यांगों को उपकरण का वितरण किया। एक दिवसीय दौरे पर श्रावस्ती पहुंचे नितिन अग्रवाल का जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र,एमएलसी पदमसेन चौधरी, जिलाध्यक्ष डा मिश्रीलाल वर्मा, जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी, विधायक श्रावस्ती प्रतिनिधि अवधेश पाण्डेय और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुभाष सत्या ने स्वागत किया। इसके बाद दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं रेडक्रास सोसायटी के सौजन्य से आठ दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, ट्राईसाईकिल, कान की मशीन, वाकिंग स्टीक एवं कम्बल वितरित किया।

इसके बाद विकसित भारत जी राम जी योजना के बारे में जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि 2047 तक भारत देश विकसित राष्ट्र बनें। विकसित राष्ट्र का सपना पूरा करने के लिए विकसित भारत–जी राम जी योजना एक बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। इस मौके पर सीडीओ शाहिद अहमद,एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा,एसडीएम भिनगा आशीष भारद्वाज, उदय प्रकाश त्रिपाठी, महेश मिश्रा ओम, संजय कैराती, दिवाकर शुक्ला, डा अजीत कुमार, आपदा विशेषज्ञ अरुण मिश्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अंतिम रूप से प्रकाशित सूची में यदि सम्बन्धित क्षेत्र के मतदाताओं की ओर से आपत्ति दर्ज करायी जा रही है तो उन दर्ज आपत्तियों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापरक निस्तारण करें।

कांग्रेस ने वोट चोरी और मनरेगा पर विरोध प्रदर्शन किया

संवाददाता–श्रावस्ती। वोट चोरी और मनरेगा कानून को लेकर कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके साथ ही वरुण चौधरी एवं छात्र कार्यकर्ताओं पर बनारस में हुई पुलिस की बर्बर कार्रवाई के खिलाफ भी विरोध किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस मुख्यालय से तहसील मुख्यालय तक मार्च निकालकर तहसील गेट जाम किया गया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्यामणि त्रिपाठी ने कड़े शब्दों में कहा कि मनरेगा गरीबों और मजदूरों का कानूनी अधिकार है। लेकिन केंद्र सरकार इसे कमजोर कर गरीबों से उनका हक छीनना चाहती है। वहीं वोट चोरी और एसआईआर के माध्यम से लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। इस दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर दमन तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बनारस में राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी पर पुलिसिया अत्याचार निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी छात्र, मजदूर और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

मकर संक्रांति के अवसर पर बच्चों को किया गया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।मकर संक्रांति के पावन अवसर पर शहर के कोरिया पार्क में दो दिवसीय सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन उत्साह और उल्लास के बीच काइट फेस्टिवल का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों के साथ–साथ युवाओं और महिलाओं ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। रंग–बिरंगी पतंगों से आसमान आकर्षक नजर आया इसके साथ ही म्यूजिकल चेयर, रस्सा कशी और पॉट डेकोरेशन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सीताराम दास पुजारी ने विधिवत सूर्य पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतियोगिताओं के समापन के बाद विजेता बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ गया।कार्यक्रम का आयोजन ऑनर वंदना शर्मा और राहुल शर्मा के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन की योजना और समन्वय की जिम्मेदारी इवेंट प्लानर कीर्ति पांडे ने निभाई, जबकि प्रबंधन का दायित्व मानवेंद्र पांडे ने संभाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवानी, किसलय शगुन, सिद्धि और शुभ शुक्ला का विशेष योगदान रहा। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही और लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की।

रामनगरी के नजर बाग गुरुद्वारा में मनाई गई लोहड़ी व गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक गोविंद धाम, नजर बाग में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 360वां प्रकाश पर्व तथा आपसी एकता और सौहार्द का संदेश देने वाला लोहड़ी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन जत्थेदार बाबा महिंदर सिंह खालसा फाउंडेशन ट्रस्ट के संरक्षण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में अयोध्या धाम, फैजाबाद, नवाबगंज, सोहावल, नवाबगंज समेत पूरे जनपद से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर लखनऊ याहियागंज गुरुद्वारा के करनैल सिंह और उनके साथियों द्वारा शब्द–कीर्तन एवं अरदास की गई।जत्थेदार बाबा महिंदर सिंह ने कहा कि माघ माह को सबसे पवित्र महीना माना गया है। सदियों के आकलन में यह स्पष्ट हुआ है कि इसी माह में सर्वाधिक नाम जप किया जाता है, इसी कारण इसे पवित्रता प्राप्त है। माघ को मकर माह भी कहा जाता है। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के समय लोहड़ी पर्व मनाया जाता है, जो प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। सेवादार नवनीत सिंह ने बताया कि 13 जनवरी को दसवें गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व लोहड़ी का पूरा कार्यक्रम समर्पित था, लोहड़ी के पर पर लंगर और अखंड पाठ के समाकलन का भी कार्यक्रम था। शाम को लखनऊ याहियागंज गुरुद्वारा से आए करनैल सिंह और उनके साथियों गुरबाणी का कीर्तन किया गया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम लोहड़ी के दिन प्रत्येक वर्ष आयोजित होता है उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से यह त्यौहार पंजाब और आसपास के प्रति में फसल के पकाने की खुशी में मनाया जाता है मैं सभी को इस पर्व की शुभकामना देता हूं कि पूरे देश में खुशहाली शांति बनी रहे। लोहड़ी के इस पर्व पर वर्तमान महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी अपने पत्नी के साथ नजर बाग गुरुद्वारा पहुंचे उनका सम्मान किया गया और उन्होंने भी सभी को लोहड़ी की शुभकामना दी।

पूर्व वीडीसी सदस्य की हत्या, खेत में लहूलुहान शव मिला, सिर और आंख पर धारदार हथियार के निशान

संवाददाता–बहराइच। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य (वीडीसी) की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। उनका लहूलुहान शव खेत में बनी झोपड़ी में तख्त पर पड़ा मिला। लाश के सिर, आंख और सीने पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। परिवार ने बताया कि जगदेव यादव (55) मंगलवार रात खेत की रखवाली के लिए घर से निकले थे। रात में खाना खाने के लिए वापस नहीं लौटे तो कॉल की। फोन स्विच ऑफ बताता रहा। परिवार खोजते हुए खेत में पहुंचे तो वहां शव पड़ा हुआ मिला। परिवार तुरंत सीएचसी लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जगदेव का छोटा बेटा क्षेत्रीय सभासद और लोहिया वाहिनी का नेता है। बेटे ने कहा– पिताजी की न तो किसी से दुश्मनी थी, न किसी से राजनीतिक रंजिश। वारदात जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर पयागपुर थाना क्षेत्र की है।

पयागपुर थाना क्षेत्र में कटहरी बाग, कोर्ट बाजार निवासी जगदेव यादव 10 साल पहले क्षेत्र पंचायत सदस्य (ठक्ब) थे। मंगलवार रात करीब 9 बजे घर से निकले थे। 11 बजे तक वापस नहीं आए तो परिजनों ने फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। छोटा बेटा विवेक यादव और पत्नी घर से दो किलोमीटर दूर खेत की ओर गए। खेत की झोपड़ी में जगदेव यादव का खून से लथपथ शव मिला। परिजनों के अनुसार, शव रात करीब 1रू30 बजे मिला। पुलिस ने रात में ही शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पिता सीता राम यादव ने बताया कि जगदेव यादव करीब 10 साल पहले क्षेत्र पंचायत सदस्य रह चुके थे। फिलहाल वे सक्रिय राजनीति में नहीं थे और खेती–किसानी से ही परिवार का भरण–पोषण कर रहे थे। परिवार में दो बेटे हैं। विष्णु यादव खेती–बाड़ी करते हैं। विवेक यादव सभासद हैं।

मृतक के बेटे विष्णु यादव ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि पिता जी का किसी से कोई विवाद नहीं था। न कोई पुरानी दुश्मनी थी और न ही कोई राजनीतिक रंजिश। वे पिछले कई वर्षों से केवल खेती–बाड़ी का काम कर रहे थे।

पुलिस ने छापेमारी पर तीन डंपर किया जब्त

संवाददाता–गोंडा। जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में अवैध बालू और मिट्टी खनन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर पुलिस और खनन विभाग ने तीन डंपर जब्त किए हैं। यह कार्रवाई दुर्गागंज माझा और माझा राठ में मिट्टी खुदाई की आड़ में हो रहे अवैध खनन के खिलाफ की गई। सीगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी पर मिट्टी खुदाई के नाम पर बड़े पैमाने पर बालू और मिट्टी का अवैध खनन करने का आरोप है। कंपनी को अयोध्या में लक्ष्मण पथ निर्माण के लिए गोंडा से सटे अयोध्या की सीमा में मिट्टी खुदाई की अनुमति मिली थी। हालांकि, कंपनी ने अयोध्या की सीमा में खुदाई न करके गोंडा के दुर्गागंज माझा और माझा राठ में अवैध रूप से मिट्टी और बालू का खनन किया। खनन किए गए पदार्थ को डंपरों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर ले जाया जा रहा था। मौके पर पोकलैंड और जेसीबी मशीनों का उपयोग करते हुए अवैध खनन किया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने कई बार इस अवैध खनन के संबंध में उच्च अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से शिकायत की गई, जिसके परिणामस्वरूप यह कठोर कार्रवाई की गई है। नवाबगंज पुलिस ने तीन डंपरों को अवैध खनन करते हुए पकड़ा और उन्हें नवाबगंज थाने में सीज कर दिया गया है। खनन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई में जुटे हुए हैं। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गोंडा खनन विभाग और तहसील प्रशासन तरबगंज के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मौके पर जाकर की जांच की जाए कि जहां पर मिट्टी की खुदाई अवैध रूप से की गई। उसका परमिशन था कि नहीं था मिट्टी खुदाई की आड़ में कितना अवैध रूप से बालू का खनन किया गया है इसको लेकर के जांच करके कठोर कार्रवाई की जाए।

मकर संक्रांति से पहले ही लाखों ने चढ़ाई श्रद्धा की खिचड़ी

संवाददाता–गोरखपुर। मकर संक्रांति का मुख्य पर्व गुरुवार को मनाया जाएगा लेकिन इससे एक दिन पहले बुधवार को ही गोरखनाथ मंदिर में आस्था का जन उमड़ पड़ा। शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी चढ़ाने के लिए मंदिर परिसर से लेकर बाहर तक भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। लाखों श्रद्धालुओं ने मुख्य पर्व से एक दिन पहले ही बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में मकर संक्रांति के पुण्य काल में महायोगी गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी भोग अर्पित करेंगे।

बाबा गोरखनाथ के दरबार में खिचड़ी चढ़ाने के लिए मंगलवार रात से ही श्रद्धालुओं ने डेरा डालना शुरू कर दिया था। बुधवार भोर में मंदिर के कपाट खुलते ही खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच समूचा मंदिर परिसर गुरु गोरखनाथ के जयकारों से गूंज उठा। सुख समृद्धि की मंगलकामना को लेकर उत्तर प्रदेश, पड़ोसी राज्य बिहार और मित्र राष्ट्र नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान गुरु गोरखनाथ को श्रद्धा की खिचड़ी निवेदित की। उसके बाद मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी देवताओं का पूजन कर ब्रह्मलीन महंत बाबा गंभीरनाथ, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेक आशीर्वाद लिया।

मंदिर परिसर में अलग–अलग गेट और बैडिकेडिंग से श्रद्धालुओं की भीड़ को संभाला जा रहा था। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन हुआ। मंगलवार रात से गोरखनाथ मंदिर में प्रवास कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिगत खुद सभी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे थे। मंगलवार रात को मंदिर परिसर का निरीक्षण करने के बाद बुधवार सुबह भी उन्होंने परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा की। उन्होंने गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया और उनकी समुचित देखभाल के लिए गोशाला के कार्यकर्ताओं को जरूरी निर्देश दिए। इसी क्रम में मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए सीएम योगी ने श्रद्धालुओं के साथ आए उनके बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

राजा लक्ष्मेश्वर सिंह खेल प्रतियोगिताः ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच, विजेताओं को किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज स्थित देशराज नारंग दयानन्द इंटर कॉलेज में राजा लक्ष्मेश्वर सिंह स्मृति खेल प्रतियोगिता–2026 का समापन हो गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन और क्षेत्राधिकारी सदर की उपस्थिति में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस खेल प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में खेल भावना का विकास करना, उनकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमता को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें अनुशासित जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी और खो–खो सहित कई खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजा बस्ती ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने कहा कि ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में ऐसे आयोजन छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं, जो जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि खेलों के माध्यम से युवा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगा सकते हैं और समाज के लिए एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार वितरण के समय विजेता खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दे रहा था। इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में सभी के सहयोग की सराहना की गई। इस प्रतियोगिता ने क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया और भविष्य में ऐसे आयोजनों को और अधिक विस्तार देने का संकल्प लिया गया।

वकालत एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व – चंद्रभूषण मणि

संवाददाता–संतकबीरनगर। दीवानी न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता चौंबर में ऑल इंडिया बार परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले नवागत अधिवक्ताओं के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नए अधिवक्ताओं को फूल–मालाएं और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्र भूषण मणि ने कहा कि वकालत केवल एक पेशा नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य और सेवा भाव से जुड़ा एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व है। उन्होंने नवागत अधिवक्ताओं को निरंतर अध्ययन, नैतिक मूल्यों और न्यायिक मर्यादाओं का पालन करने का संदेश दिया। समारोह में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि युवा अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। उनके समर्पण से ही समाज में न्याय की नींव मजबूत होती है। वक्ताओं ने सत्य, संयम और संवेदनशीलता को वकालत की सफलता की कुंजी बताया।

इस अवसर पर सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद पाठक, महामंत्री निरंजन सिंह, जनपद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी और महामंत्री राम अवतार यादव सहित कई वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ता मौजूद रहे।

एआईबीई परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जिन अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया, उनमें अनिल उपाध्याय, नरेंद्र कुमार, प्रदीप चौधरी, सुमित त्रिपाठी, महेंद्र सिंह, धनंजय राय, करुणा निधि, मनोज शुक्ला, कृष्ण प्रताप यादव, विवेक चौधरी, आनंद पटेल, सक्षम श्रीवास्तव, नितेश कुमार, मो. आकिब खान, आलोक कुमार चौरसी, संतोष कुमार मौर्य, मुस्कान पांडेय, केदारनाथ उपाध्याय, अखिलेश कुमार, संजय यादव, अजीत सिंह, ज्योति सिंह, सुरेश प्रताप भारती, अवधेंद्र मौर्य, मोहन त्रिपाठी, अजय कुमार प्रजापति, आशीष पांडेय, रीता मौर्य, शैलेश नाथ पांडेय एवं स्कंध कुमार सिंह शामिल थे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन और कुशल संचालन सुधीर कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। यह आयोजन अधिवक्ता एकता, न्यायिक गरिमा और युवा अधिवक्ताओं के उत्साहवर्धन का एक सार्थक उदाहरण बना।

अदालती नोटिस

अभियुक्त व्यक्ति को उपसंजाति के लिए अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा (धारा 87, अनुसूची 5, प्रपत्र संख्या 4)

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0टी0 सी0 (सी0एस0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

परिवाद वाद सं0 241/2024

थाना–मुण्डेरवा

जिला–बस्ती

सन्त प्रसाद यादव

बनाम

आज्ञाराम यादव आदि

1. आज्ञाराम यादव पुत्र पटई साकिन अवस्थीपुर (पयगुरलिया) थाना जिला बस्ती 2. छोटेलाल पुत्र अज्ञात साकिन माझाकला (फूलपुर) थाना कलवारी जिला बस्ती 3. उमेश यादव पुत्र राजेन्द्र 4. चन्द्रिका यादव पुत्र उदयराज साकिनान नरौली (मुरादपुर) थाना लालगंज जिला बस्ती 5. चन्द्र प्रकाश उर्फ प्रेमचन्द्र पुत्र छोटेलाल साकिन माझाकला (फूलपुर) थाना कलवारी जिला बस्ती –अभियुक्तगण

तारीख पेशी 22–01–2026

चूंकि मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि पुत्र निवासी थाना जिला द्वारा भारतीय दंड सहिता की धारा के अधीन दण्डनीय किया गया अपराध 418,419,420,384,498ए0342 आईपीसी एवं 3/4 डी0पी0 ऐक्ट है और तद्पुरि निकाले गये गिरफ्तारी के किये जाने का संदेह किया जाता अधिपत्र को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त को पाया नहीं जा सका है और चूंकि मुझको समाधान प्रद रूप में यह संदर्भित कर दिया अपपलायन कर गया है। क्या है कि उक्त अभियुक्त उक्त अधिपत्र की तमील से बचने के लिए अपने को छिपा रहा है। एतद्द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि निवासी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक 22 मास 01 सन् 2026 ई0 को इस न्यायालय में उक्त मेरे समक्ष परिवाद का उत्तर देने के लिए उपस्थित हो।

द0 हाकिम

बीसीपीएम ने टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बेवा सीएचसी में बुधवार को बीएचएनडी नियमित टीकाकरण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान बेवा सीएचसी के बीसीपीएम वीरेंद्र कुमार यादव ने केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती माताओं और दो वर्ष से कम आयु के बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, बीसीपीएम यादव ने एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उपकेंद्र बनकटी का भी निरीक्षण किया, जहाँ एएनएम एकता पटेल और आशा रिन्नू मिश्रा की टीम को उनके कार्य को सही ढंग से जारी रखने का सुझाव दिया गया। हालांकि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा इन्फेंटोमीटर, वजन मशीन और स्टेडियोमीटर न लाने पर बीसीपीएम ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्य में सुधार के लिए सख्त निर्देश दिए।

इस दौरान, एएनएम द्वारा ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। साथ ही, 12 गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण के महत्व के बारे में ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

'स्वदेशी संकल्प यात्रा' का गोरखपुर में हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'स्वदेशी जागरण मंच' द्वारा देशव्यापी आह्वान पर निकाली जा रही 'स्वदेशी संकल्प यात्रा' बुधवार को गोरखपुर पहुंची। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ और महानगर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। यात्रा का गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ स्वदेशी जागरण मंच (गोरक्ष प्रांत) के प्रांत संयोजक धीरज राय, व्यापार प्रकोष्ठ (क्षेत्रीय संयोजक) भोला प्रसाद अग्रहरि के नेतृत्व में स्वागत किया गया। महानगर संयोजक सौरभ कुमार सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा एक विशाल जुलूस के रूप में गोलघर से होते हुए काली मंदिर चौराहे पहुंची। जहां पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। राहा होते हुए मोहद्दीपुर पहुंची, जिसका समापन 'गोरखपुर महोत्सव' में हुआ। महानगर में 30 से अधिक स्थानों पर स्वदेशी कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में गौरव गुप्ता, जय वर्मा, दिलीप जायसवाल, रमेश चंद्र गुप्त, गौरीशंकर सरावगी, आदित्य गुप्ता, अंशुमान मिश्रा, हिमांशु तिवारी, योगेश पांडे आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता के लिए स्टीकर चिपकाए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के पटेहरी में बुधवार को एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और नारी सुरक्षा को बढ़ावा देना था, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, स्वावलंबन और अलग–अलग सरकारी हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान का संचालन अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और सीओ इटवा प्रवीन प्रकाश के कुशल पर्यवेक्षण में और थानाध्यक्ष गोल्हौरा रामदेव के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों की जानकारी दी गई, जहाँ वे अपनी समस्याएँ दर्ज करा सकती हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न महिला एवं जनसुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन प्रमुख थे।

फरार आरोपियों की संपत्ति कुर्क

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने फरार अभियुक्तों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ओमप्रकाश व जयप्रकाश और श्याम के घरों पर दबिश दी, लेकिन वे मौके पर नहीं मिले। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उनकी चल संपत्तियों को कुर्क कर लिया गया।

क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। यह मामला थाना कोतवाली खलीलाबाद में पंजीकृत अभियोग संख्या 137ए2025 से संबंधित है, जिसमें धारा 103(1), 238, 3(5), 315, 317(2), 61(2) बीएनएस के तहत आरोप हैं।

अभियुक्त ओमप्रकाश, जयप्रकाश और श्याम पुत्रगण बसंतलाल, निवासीगण बैरमपुर, थाना कोतवाली खलीलाबाद के घरों पर दबिश दी गई थी। हालांकि, वे वहां मौजूद नहीं मिले।

दबिश के बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, संतकबीरनगर द्वारा 5 जनवरी 2026 को जारी धारा 85 बीएनएसएस के आदेश के अनुपालन में, अभियुक्तों के घरों में मौजूद चल संपत्तियों की कानूनी रूप से कुर्की की गई।

कुर्की की इस कार्यवाही के दौरान प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के साथ अपराध निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक हरिकेश बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक इल्ताफ खाँ, कांस्टेबल मृत्युंजय यादव, कांस्टेबल अनिल कुमार और महिला कांस्टेबल मीना यादव मौजूद रहीं।

सीएम योगी ने 'वार्षिक स्वच्छता कैलेंडर 2026' का विमोचन किया

संवाददाता–गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर नगर निगम के 'वार्षिक स्वच्छता कैलेंडर 2026' का लोकार्पण किया। इस दौरान महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र एवं पार्षदगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024–25 में नगर निगम की उपलब्धियों के लिए महापौर एवं नगर आयुक्त समेत सभी पार्षदों एवं महानगरवासियों को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही महानगर को गारबेज फ्री सिटी में 7 स्टॉर का लक्ष्य हासिल करने का लक्ष्य भी दिया। नगर निगम का वार्षिक स्वच्छता कैलेंडर 2026 विभिन्न तिथियों का संग्रह न होकर नगर निगम की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का दस्तावेज है, जिसमें स्वच्छ सर्वेक्षण 2024–25 में प्राप्त 5–स्टार रेटिंग और सफाई मित्र सुरक्षित शहर में देश के शीर्ष तीन शहरों में स्थान बनाने जैसी गौरवशाली उपलब्धियों को दर्शाया गया है। इसमें अर्बन फ्लड मैनेजमेंट, अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर, और राप्ती नदी के संरक्षण के लिए फाइटोरेमेडिएशन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ–साथ श्वेस्ट टू वंडरश और लिगेसी वेस्ट निस्तारण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का विवरण दिया है।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि इस कैलेंडर का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और जन–भागीदारी के माध्यम से गोरखपुर को एक 'आदर्श एवं आधुनिक नगर' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करना है। महापौर डॉ मंगलेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यह कैलेंडर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के थीम स्वच्छता की एक पहल – बढ़ाये हाथ करें सफाई साथ को जोड़ते हुए आम जनमानस में भी जागरुकता फैलाने का कार्य करेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–675/2018

पियारे

बनाम

श्रीमती विद्यावती

1. श्रीमती विद्यावती आयु लगभग 54 साल पत्नी रामप्यारे निवासीगण ग्राम झलनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर पोस्ट मझौवा खुर्द जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–02–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती

प्रर्कीणवाद सं0 377/2025

गुलाम अब्दुल कादिर–सायलान

1.गुलाम अब्दुल कादिर आयु करीब 60 साल 2. गुलाम गौस आयु करीब 55 साल पुत्रगण मोहम्मद इब्राहिम खान निवासीगण खानकला (छावनी) तप्पा सिकन्दरपुर पोस्ट व परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–01–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और बतारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्वत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 17.01.2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्ररूप)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 39 नियम 2 जा0दी0

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रर्कीण वाद सं0– 17/2009

अशोक कुमार

बनाम

खेसार अहमद आदि

1. खेसार अहमद, अवर अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विकास भवन बस्ती जिला–बस्ती 2. हैदर मेंहदी रिजवी (एस0 एम0 रिजवी) सहायक अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विकास भवन बस्ती जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–01–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 01 के 23 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0

विष्णु प्रसाद आदि

बनाम

रामनरेश आदि

1. अशोक कुमार 2. विनोद कुमार पुत्रगण रामवृक्ष निवासीगण ग्राम असियापार डिवहारी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम जिला बस्ती 3. सरस्वती देवी पत्नी रामवृक्ष निवासी ग्राम असियापार डिवहारी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम जिला बस्ती 4. दिग्विजय पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम असियापार डिवहारी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–01–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 01 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर हुआ है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–517/2008

रामनरेश

बनाम

अभिराम आदि

1. प्रेमचन्द्र पुत्र अभिराम ग्राम चैनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 06–02–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी मुण्डेरवा जिला–बस्ती

वाद सं0–11+286+287+288+289 +290 कायमी प्रार्थना पत्र

रामचन्दर

बनाम

बेकारू आदि

आराजी मौजा सिकरा खुर्द तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

1. रामचन्दर 2. गिरजाशंकर पुत्रगण जमुना प्रसाद साकिनान मौजा चमरसन तप्पा रामपुर पैली परगना मगहर पश्चिम तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी देवमणि साकिन सिकरा खुर्द तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–02–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर हुआ है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0 मु0– C202517000000622

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

पेशकार मिश्रा आदि

बनाम

सुरेन्द्रनाथ आदि

1. सुरेन्द्रनाथ पुत्र राम अभिलाष 2. अशोक कुमार पुत्र राम नरायन साकिनान मौजा पड़री तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–01–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 01 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपकी हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 01 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

श्री राम सहाय सिंह कन्या महाविद्यालय महरीपुर बस्ती (उ0प्र0) 272302

आवश्यकता है

1 प्रवक्ता भूगोल	01 पद
2. प्रवक्ता वाणिज्य	03 पद

अर्हता– UGC के मानकानुसार (स्नातक/परास्नातक) के लिए निर्धारित योग्यता के अनुसार अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 21 दिनों के अन्दर अपना आवेदन पत्र पंजीकृत डाक अथवा स्वयं द्वारा किसी भी कार्य दिवस में श्री राम सहाय सिंह कन्या महाविद्यालय, ग्राम व पोस्ट–महरीपुर, जनपद–बस्ती, उ0प्र0, पिन कोड 272302 कार्यालय में प्रेषित करें।

आशा देवी

प्रबन्धक

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com